RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 14 सितम्बर 2022 वर्ष 04 अंक 130 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मलाड मढ के अवैध स्टूडियो पर होने लगी कार्रवाई...!

तीन स्टूडियो हुए जमीदोस्त

मुंबई : भाजपा नेता किरीट सोमैया के आरोपी के बाद मलाड मढ में बने अवैध स्टूडियो आखिरकार टूटने लगे है। कुछ स्टूडियो के मालिकों ने खुद स्टूडियो को तोड़ने लगे है जबकि कुछ को मनपा प्रशासन कार्रवाई कर तोड़ने लगी है। मढ में अब एक मात्र वृंदावन स्टूडियो ही कार्यरत रहेगा इस तरह की जानकारी मनपा सहायक आयुक्त किरण दिघावकर ने दी उन्होंने बताया कि इस स्टूडियो के पास सभी प्रकार की अनुमति है और यह स्टूडियो सी आर जेड में नहीं होने के कारण इसे तोड़ने की नोटिस नही दी गई थी। बता दे कि किरीट सोमैया ने मलाड मढ में बने स्टूडियो को अवैध होने की जानकारी देते हुए इन पर कार्रवाई की मांग की थी।मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल के निर्देश पी उत्तर के सहायक आयुक्त किरण दिघावकर ने सभी स्टूडियो को नोटिस दिया था।फिल्म शूटिंग के लिए बने सभी स्टूडियो सी आर जेड का उल्लंघन कर बनाए जाने का आरोप सोमैया ने लगाया था।मनपा आयुक्त चहल ने अवैध स्टूडियो का जांच की जिम्मेदारी मनपा उपायुक्त हर्षद काले को दी थी और उन्हें एक महीने में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। इस बीच मनपा सहायक आयुक्त द्वारा सी आर जेड का उल्लंघन होने की नोटिस दिए जाने के बाद मढ में बने 5 स्टूडियो में भाटिया स्टूडियो ने खुद होकर स्टूडियो को तोड़ दिया।जबकि मिलेनियर और एक्सप्रेशन स्टूडियो पर मनपा और स्टूडियो के मालिक मिलकर तोड़क कार्रवाई शुरू की है।मनपा सहायक आयुक्त किरण दिघावकर ने बताया कि अगले दो दिन में दोनो स्टूडियो पूरी तरह जमीदोस्त कर दिया जाएगा। दिघावकर ने बताया कि 5 स्टूडियो में 3 स्टूडियो को तोड़ दिए जानें की कार्रवाई शुरू हो गई है। जबकि बालाजी स्टूडियो का मामला कोर्ट में लंबित होने के कारण मनपा कोर्ट के आदेश का इंतजार करेगी।इसी तरह मढ में ही बने वृंदावन स्टूडियो को सी आर जेड नही लगने के कारण उसे नही तोड़े जाने की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि वृंदावन स्टूडियो के पास सभी प्रकार की अनुमति उपलब्ध है। मलाड मढ और मार्वे परिसर में कुल 49 अवैध फिल्म स्टूडियो शुरू होने पर मनपा द्वारा 2021 -22 में नोटिस दी थी। जिसमे सी आर जेड और एम सी जेड का उल्लंघन होने का आरोप लगा था।

कुछ के मालिकों ने खुद ही स्टूडियो को लगे तोड़ने

ठाणे तालुका के 14 गांव नवी मुंबई मनपा में शामिल!

नगर विकास विभाग की तरफ से इस बारे में प्राथमिक अधिसूचना जारी

मुंबई : ठाणे तालुका के 14 गांवों को नवी मुंबई महानगरपालिका में शामिल करने के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निर्देशानुसार नगर विकास विभाग की तरफ से इस बारे में प्राथमिक अधिसूचना जारी की गई। नगर विकास विभाग ने सीमा बढ़ाने की इस कार्रवाई के चलते राज्य चुनाव आयोग से ठाणे तालुका की ग्राम पंचायतों के चुनाव दिसंबर 2022 तक टालने का अनुरोध किया है। ठाणे जिले के 14 गांव दहिसर, मोकाशी, वालीपली, पिंपरी, निघु, नावाली, वाकलण, बामाली, नारीवली, बाले, नागांव, भंडाली, उत्तरशिव और गोटेघर को नवी मुंबई मनपा में शामिल करने का निर्णय मुख्यमंत्री ने लिया था। इस अनुसार इस बारे में अधिसूचना जारी की गई। राज्य चुनाव आयोग ने जनवरी 2021 से मई 2022 तक की अवधि के लिए राज्य में ग्राम पंचायतों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की है। हालांकि ठाणे तालुका के 14 गांवों को नवी मुंबई महापालिका में शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है और इस संबंध में एक प्रारंभिक अधिसूचना जारी की गई है। ग्राम पंचायत चुनावों के घोषित कार्यक्रम के अनुसार चुनाव हुए और इसके बाद परिसीमन की कार्रवाई हुई तो इन ग्राम पंचायतों का अस्तित्व खत्म हो जाएगा और नव स्थापित निकाय प्राधिकरणों के लिए चुनाव कराना होगा, जिसके परिणामस्वरूप चुनावों पर दोहरा खर्च होगा। इस मामले को ध्यान में रखते हुए राज्य चुनाव आयोग से ठाणे तालुका में ग्राम पंचायत चुनावों को दिसंबर 2022 तक स्थगित करने का अनुरोध किया गया है। इस संबंध में शहरी विकास विभाग के उप सचिव कैलाश बधान ने राज्य चुनाव आयोग के सचिव को पत्र भेजा है।

पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की हिरासत फिर 14 दिनों के लिए बढ़ाई गई...!

मुंबई : पूर्व गृह मंत्री और राकांपा के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। अनिल देशमुख को आज विशेष पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। उस वक्त कोर्ट में सुनवाई के दौरान अनिल देशमुख को 27 सितंबर तक के लिए रिमांड पर लिया गया था। अनिल देशमुख को चक्कर आने के कारण 29 अगस्त को जेल में गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जे. जे. अस्पताल में उनके इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें शाम को छुट्टी दे दी गई। उसे अगले दिन अदालत में पेश किया गया और 13 सितंबर तक रिमांड पर लिया गया। पीएमएलए की विशेष अदालत में फिर सुनवाई हुई। उस समय उनकी हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है।

सदा सरवणकर की पिस्टल जब्त...!

मुंबई : मुंबई में प्रभादेवी में शिवसेना और शिंदे समूहों ने राजनीति तेज कर दी है। थाना परिसर में गोली चलाने के मामले में विधायक सदा सरवणकर की पिस्टल जब्त कर ली गई है। साथ ही कहा जा रहा है कि उन्हें पुलिस ने तलब किया है। गणपति विसर्जन के दौरान एक दूसरे को परेशान करने के गुस्से को लेकर शनिवार रात प्रभादेवी में शिवसेना और शिंदे गुट आपस में भिड़ गए। दादर पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसमें थाने के बाहर जमा भीड़ के बीच सरवणकर ने जमीन की ओर गोली चलाई थी, जिससे हड़कंप मच गया। इस मुद्दे पर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग बढ़ गई है।

धमकी देने वाले सांसद-विधायकों पर लगाओ लगामः पटोले

मुंबई : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि राज्य में भाजपा के सत्ता में आते ही खुले आम धमकी देने के मामले बढ़ रहे हैं। यह बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल के मंत्री, सांसद और विधायक खुलेआम धमकी देते हुए हुए आंखें बाहर निकालने और मुंबई में घूमने पर सबक सिखाने की बात कह रहे हैं। पटोले ने कहा कि राज्य सरकार को इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

पटोले ने कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है, सत्ताधारी दल के लोगों की दादागिरी बढ़ गई है। भाजपा विधायक पुलिस अधिकारी से कह रहे हैं कि राज्य में हिंदू सरकार है। अगर किसी अधिकारी ने हिंदू बच्चों को कुटिलता से देखा तो उसकी आंखें जगह पर नहीं होगी। ऐसे माहौल में राज्य के पुलिस अधिकारी कैसे काम करेंगे। एक केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष को चेतावनी देते हुए कहा कि मुंबई, महाराष्ट्र की बात करना महंगा पड़ेगा। एक विधायक ने सरकारी कर्मचारी के हाथ- पैर तोड़ने की धमकी दी थी। इतना ही नहीं, अमरावती के सांसद-विधायक राणा दंपति पुलिस स्टेशन में जाकर अधिकारियों से बहस करते हैं और सरकारी काम में दखल देते हैं। विधायक खुद सार्वजनिक रूप से कहते हैं कि पुलिस आयुक्त का तबादला कर दिया गया है। दादर में सत्तारूढ़ दल के विधायक, विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर फायरिंग कर रहे हैं। पटोले ने पूछा है कि ये महाराष्ट्र है या उत्तर प्रदेश। क्या राज्य में मुगलों का शासन आ गया है। पटोले ने कहा कि राज्य में पिछले दो महीनों के शासन को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि महाराष्ट्र किस दिशा में जा रहा है। पटोले ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को समय रहते सत्ताधारी दल की इस गुंडागर्दी पर लगाम लगाना चाहिए और ऐसा समय नहीं आने देना चाहिए कि विरोधियों को इसका जवाब देने के लिए मैदान में उतरना पड़े।

संपादकीय / लेख

सावधानी से सुनवाई!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

ज्ञानवापी विवाद न्यायिक समाधान की दिशा में अगर बढ़ चला है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। आज देश जिस स्थिति में है, विवाद के ऐसे मसलों को अदालतों के बाहर खुला नहीं छोड़ा जा सकता। ऐसे मामलों को सबके लिए खोले रखने के अपने बड़े खतरे हैं और ऐसे खतरों से देश पहले भी गुजर चुका है। वाराणसी की जिला अदालत ने सोमवार को ज्ञानवापी में देवताओं की दैनिक पूजा की अनुमति के लिए उपासकों के अनुरोध को चुनौती देने वाली अंजुमन इंतेजामिया समिति की याचिका खारिज कर दी, तो यह कोई अचरज की बात नहीं है। इंतेजामिया समिति की इच्छा के पालन से ज्यादा जरूरी है कि अदालत तथ्य देखकर फैसला करे। इस सिलसिले में समिति यह साबित करे कि ज्ञानवापी में कोई पूजा स्थल नहीं है। केवल भावना में बहकर इस मुकदमे को नहीं जीता जा सकता, अकाट्य प्रमाण चाहिए, ताकि सवाल उठाने वालों का मुंह बंद किया जा सके। अब आगे जहां इंतेजामिया समिति को यह सिद्ध करना होगा कि ज्ञानवापी में शृंगार गौरी की उपस्थिति नहीं है, तो वहीं सामने वाले पक्ष को शृंगार गौरी की उपस्थिति के प्रमाण पेश करने होंगे।

एक विकसित देश में प्रमाणों और वैज्ञानिक प्रामाणिकता के साथ ही कदम आगे बढ़ाने चाहिए। किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो, यह देखना न्यायपालिका का काम है। अदालतों को धर्म के आधार पर नहीं, प्रामाणिकता के आधार पर ही सुनवाई करनी चाहिए।

हालांकि, ज्ञानवापी के बचाव में इंतेजामिया समिति ऊपरी अदालत में अपील करेगी। उसकी एकमात्र कोशिश है कि धर्मस्थल की स्थिति में कोई बदलाव न हो और इस मामले में सुनवाई होने पर बदलाव की आशंका-संभावना है। वैसे लोगों में अगर यह संदेश गया कि इंतेजामिया समिति सुनवाई से बचना चाहती है, तो इससे उसका पक्ष ही कमजोर होगा। दूसरी ओर, समस्या यह है कि सुनवाई को अगर रोका गया, तो विवाद बढ़ेगा। यहां यह तर्क पेश किया जा सकता है, जिसमें धर्मस्थलों की पुरानी स्थिति में किसी तरह की छेड़छाड़ की मनाही है, पर महज इसी आधार पर अब सुनवाई को रोका नहीं जा सकता। अंततः अकाट्य साक्ष्यों की शरण में आना होगा। आस्था के आधार पर ही नहीं, वैज्ञानिक आधार पर भी प्रमाणों की पुष्टि करनी पड़ेगी। एक विकसित देश में प्रमाणों और वैज्ञानिक प्रामाणिकता के साथ ही कदम आगे बढ़ाने चाहिए। किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो, यह देखना न्यायपालिका का काम है। अदालतों को धर्म के आधार पर नहीं, प्रामाणिकता के आधार पर ही सुनवाई करनी चाहिए। यह मामला काफी संवेदनशील है और तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जिन दावों के पीछे प्रमाण नहीं है, उन पर गौर करना अन्याय को बढ़ावा देने से कम नहीं है।

इस मामले में जहां अदालतों को न्याय सुनिश्चित करना चाहिए, वहीं प्रशासन को अमन-चैन सुनिश्चित रखना चाहिए। यह प्रशंसा की बात है कि उत्तर प्रदेश में प्रशासन सतर्क है और संवेदनशील स्थानों पर चौकसी बढ़ाई गई है। हमारा संविधान मिलकर चलने की बात करता है, न्याय, समता और निष्पक्षता की बात करता है, इसलिए हर एक को संविधान की पालना सुनिश्चित करनी चाहिए। जब देश रोजगार-विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने को लालायित है, तब हम समाज में कट्टरता या वैमनस्य को कतई बढ़ावा नहीं दे सकते। यह अच्छी बात है कि इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ही जिला अदालत कर रही थी, अब जब मामला उच्च न्यायालय में जाएगा, तब भी सुप्रीम कोर्ट की निगाह इस पर रहेगी। अब आगे मामले की सुनवाई नए तथ्य व नए सुबूतों के आधार पर ही चलनी चाहिए, ताकि इस विवाद का पटाक्षेप जल्दी हो।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई पहुंची मर्सिडीज बेंज के अधिकारियों की टीम

साइरस मिस्त्री की दुर्घटनाग्रस्त कार का करेगी निरीक्षण

मुंबईः जर्मन लग्जरी कार मैन्युफैक्चरिंग मर्सिडीज बेंज के अधिकारियों का एक दल हॉन्गकॉन्ग से मुंबई पहुंचा है. यह दल टाटा संस के पूर्व चेयरमैन सायरस पी. मिस्त्री की उस कार का निरीक्षण करेगा, जो गत 4 सितंबर को मुंबई-अहमदाबाद हाइवे पर दुर्घटनाग्रस्त हुई थी. इस सड़क हादसे में साइरस मिस्त्री और उनके एक अन्य सह-यात्री जहांगीर दिनशॉ पंडोले की मृत्यु हो गई थी, जबकि अन्य दो सह-यात्री अनाहिता पंडोले और डेरियस पंडोले गंभीर रूप से घायल हो गए थे. दुर्घटनाग्रस्त हुई कार को ठाणे के एक मर्सडीज शोरूम यूनिट में रखा गया है, जिसकी जांच करने के बाद यह दल मर्सिडीज बेंज कंपनी को रिपोर्ट सौंपेगा.

इससे पहले लग्जरी कार निमार्ता मर्सिडीज.बेंज ने इस सड़क हादसे को लेकर एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपी है. जर्मन ऑटोमेकर के अनुसार, रोड डिवाइडर से टकराने से महज 5 सेकेंड पहले साइरस मिस्त्री की कार में ब्रेक अप्लाई किया गया था. एक्सीडेंट से कुछ सेकेंड पहले तक कार की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रतिघंटा से ज्यादा थी, वहीं डिवाइडस से टकराते वक्त इसकी रफ्तार 89 किमी प्रतिघंटा थी. पुलिस जांच में यह बात सामने आई थी कि कार अनाहिता पंडोले चला रही थीं, जबकि उनके पति डेरियस आगे की सीट पर बैठे थे. जहांगीर पंडोले और साइरस मिस्त्री पीछे की सीट पर बैठे थे और दोनों ने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी.

मर्सिडीज-बेंज ने विश्लेषण के लिए उस कार का इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल मॉड्यूल जर्मनी भेजा था, जिसमें टाटा संस के पूर्व चेयरमैन की मौत हुई थी. अधिकांश हाई.एंड कारों में इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल मॉड्यूल होता है, जो ब्रेक फेल होने या कम ब्रेक फ्लुइड जैसे तकनीकी मुद्दों की पहचान करने में मदद कर सकता है. पालघर के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल ने सोमवार को बताया था कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (फ्ळड) ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें उल्लेख किया गया है कि दुर्घटना के बाद कार में चार एयरबैग खुल गए थे, तीन ड्राइवर की सीट पर और एक बगल की सीट पर. बता दें कि मर्सिडीज की कारों में पिछली सीट पर भी एयरबैग्स होते हैं. पालघर आरटीओ की रिपोर्ट में साइरस मिस्त्री की कार में पिछली सीट के एयरबैग्स खुलने की पुष्टि नहीं हुई है.

गणेश विसर्जन में जमा हुए 5.49 लाख किलो फूल-माला - मनपा बनाएगी खाद

मुंबई : गणपति विसर्जन स्थलों से मनपा ने समुद्र तटों और कृत्रिम तालाबों से बड़े पैमाने पर फूल और माला एकत्रित किया है। जिसकी खाद बनाई जाएगी। मनपा के अनुसार इस साल गणेश विसर्जन के दौरान कुल 5 लाख 49 हजार 515 किलोग्राम फूल, माला इकट्ठा किया गया। कोरोना काल में मनाए गए वर्ष 2021 के गणेशोत्सव में 2.66 लाख किलो फूल-मला इकठ्ठा हुए थे। जबकि वर्ष 2020 में लगभग 3 लाख किलो और वर्ष 2019 में 10.82 लाख किलो फूल-मला एकत्रित किया गया था। वर्ष 2020-2021 की तुलना में इस वर्ष फूल-माला में ढाई लाख किलो की बढ़ोतरी हुई है। कोरोना काल के पहले वर्ष 2019 में जमा हुए माला फूल से इस साल लगभग 5 लाख किलोग्राम की कमी आई है। मनपा ने इकठ्ठा किए गए फूल और मालों का प्रोसेस कर खाद बनाएगी जिसका उपयोग मनपा के गार्डन में उपयोग किया जाएगा।

भांडुप, अंधेरी, बोरीवली में सबसे ज्यादा संकलन

लाखों भक्तों द्वारा भगवान गणेश के चरणों में अर्पित की गई माला, फूल, दूर्वा विसर्जन स्थल पर रखे निर्माल्य कलश में जमा किए गए। सबसे अधिक फूल-माला भांडुप में 77,825 किग्रा, अंधेरी (पश्चिम) में 59,500 किग्रा, बोरीवली में 55,700 किग्रा, बांद्रा में 46,280 किग्रा, कुर्ला में 45,450 किग्रा एकत्र किया गया। जबकि सबसे काम सैंडहर्स्ट रोड में 253 किग्रा और मरीन लाइन्स में 900 किग्रा जमा हुआ है। मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने इकठ्ठा किए गए फूल-माला से जैविक खाद बनाने का आदेश दिया है। इस खाद का उपयोग पेड़ों के लिए किया जाएगा। माला फूल को इकठ्ठा करने के लिए 381 वाहनों का उपयोग किया गया।

मुंबई में जमकर बरसे बादल, कई इलाकों में भर गया पानी...

मुंबई : मानसून के दौरान मुंबई की सड़कें बारिश के पानी से लबालब रही हैं। मानसून अब आखिरी समय में चल रहा है। मुंबई के कई इलाकों में देर रात बारिश हुई है। अक्सर देखा जाता है कि मुंबई में बारिश के बाद जलभराव हो जाता है। जिसके कारण लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित होता है। फिलहाल, यातायात सामान्य है। मुंबई के सायन इलाके में बारिश के बाद जलभराव हो गया है। यहां लोगों के घुटनों तक पानी भर गया जिससे लोगों को निकलने में परेशानी हो रही है।

जानवरों में फैलती लँपी बीमारी से निपटने के लिए मनपा अलर्ट

मुंबई : देश के कई राज्यों सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में जानवरों में लँपी बीमारी तेजी से फैल रही है. इस महामारी से जानवरो की बड़ी मात्रा में जान चली जा रही है। यह बीमारी एक वायरस होने की जानकारी पशु वैद्यकीय डॉक्टरों ने दी है। मनपा प्रशासन भी मुंबई में यह महामारी न फैले इसको लेकर अलर्ट हो गई है। मनपा प्रशासन मुंबई के तबेले और गौशाला में जाकर वैक्सीन देने की शुरूआत की है और जानवरो की जांच शुरू की है।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में लंपी महामारी तेजी से फैल रही है। जिससे जानवरो का बड़ा नुकसान हो रहा है। महामारी का फैलाव मुंबई में न हो इसके लिए मनपा का स्वास्थ्य विभाग और कीटनाशक और देवनार पशुवध विभाग मुंबई के तबेलों और गौशालाओ की जाँच शुरू कर दी है जिन स्थानों पर गंदगी पाई जा रही है उन स्थानों पर उनके मालिकों को नोटिस देने का काम किया जा रहा है। मनपा प्रशासन की ओर से तबेला मालिकों और गौशाला स्थानों पर बूचड़खाने विभाग ने मुंबई में गाय स्कूलों और अस्तबलों का निरीक्षण शुरू कर दिया है। कीटनाशक का छिड़काव कराना अनिवार्य किया है।जिन जानवरों में किसी तरह की बीमारी पाई जा रही है उसकी जाँच कर उन्हें दवा देने का काम किया जा रहा है। मनपा देवनार पशुवध विभाग के महाप्रबंधक के. एल पठान ने कहा कि मुंबई में अभी तक जानवरों में किसी तरह का वायरस नहीं दिखाई दे रहा है । मुंबई के कई इलाकों में पशु विभाग के साथ-साथ मनपा की टीम सर्वे शुरू किया है.

मुंबई में 9 सितंबर से भैंस के मांस विक्री पर प्रतिबंध लगाया है। पूरे महाराष्ट्र से मुंबई में आयात होने वाले मांस पर रोक लगा दी गई है। इसी तरह मनपा की ओर से स्पष्ट किया गया कि जीवित या मृत भैंसों और गायों सहित अन्य जानवरों को मुंबई में लाने पर रोक लगा दी गई है। इस तरह की जानकारी देवनार कत्लखाने के महाव्यवस्थापक पठान ने दी। उन्होंने कहा कि भैंस के मटन का आयात या निर्यात नहीं किया जा रहा है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 14 सितम्बर 2022

मादक पदार्थ की बिक्री के आरोप में चार गिरफ्तार

पालघर : तलासरी पुलिस ने मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग से कोफेक्स नामक मादक पदार्थ की अवैध बिक्री के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है इनके पास से डेढ़ लाख की गैर प्रिस्क्रिप्शन दवाएं जब्त की गई हैं ,एक आरोपी गुजरात राज्य के वापी का रहने वाला है,बाकी तीन आरोपी वसई विरार के रहने वाले हैं।

शातिर चोर गिरफ्तार

नालासोपारा, पोलिसआयुक्तालय अन्तर्गत गुनाह शाखा 02 वसई यूनिट की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। आपको बता दें कि, समूह ने एक 22 वर्षीय (अमन रमज़ान शेख) शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 1 लाख से अधिक का माल जप्त किया है साथ ही 7 अपराधों (चोरी) की गुत्थी सुलझाने में सफलता पाई है।

मोबाइल पर बात करते हुए महिला छत से गिरी, गंभीर रूप से घायल

नालासोपारा : एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है।नालासोपारा ईस्ट के सेंट्रल पार्क इलाके के रजनी अपार्टमेंट में रहने वाली युवती (श्रुती भुपेश पांडे) मोबाइल पर बात करते हुए छत से गिर गई. गनीमत रही कि युवती बाल-बाल बच गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। निवासियों से फोन पर घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे. इन जवानों ने स्प्रेड कटर मशीन की मदद से ग्रिल तोड़ी और युवती को बाहर निकालकर पास के अस्पताल में भर्ती कराया.युवती का हाथ पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

ठाणे कोस्टल रोड प्रोजेक्ट को मिलेगी रफ्तार, जल्द शुरू होगा युद्धस्तर पर काम

ठाणे : पिछले कई सालों से कागजों पर लटकी कोस्टल रोड परियोजना में आ रही बाधाएं अब धीरे-धीरे कम हो रही है। ठाणे महानगरपालिका ने इस परियोजना में मैंग्रोव (कांदलवन) क्षेत्र से प्रभावित वन भूमि के बदले अब महाबलेश्वर के सातारा के वलवन गांव में 15 हेक्टेयर भूमि पर पुनर्रोपण किया जाएगा।

ठाणे महानगरपालिका सूत्रों के अनुसार वन विभाग द्वारा इस जगह का सर्वे शुरू कर दिया गया है। इसके मुताबिक अगले एक से दो सप्ताह में वन विभाग सर्वे पूरा कर इसकी जानकारी नगर पालिका को देगा। वहीं ठाणे में इस तटीय सड़क के मार्ग का भी मैंग्रोव (कांदलवन) विभाग की ओर से निरीक्षण किया गया है। अब उनसे हरी झंडी मिलने के बाद ठाणे के इस बहुचर्चित तटीय सड़क परियोजना अर्थात कोस्टल रोड के निर्माण कार्य में अब तेजी आने के आसार बढ़ गए है।

ठाणे के गायमुख-खारेगाव कोस्टल रोड को लेकर पिछले कई सालों से चर्चा चल रही है। अब इस मार्ग में आने वाले बाधाएं खत्म होती नजर आ रही है। क्योंकि पिछले साल ही महानगरपालिका द्वारा इस कार्य की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई थी और इस पर 1200 करोड़ की लागत का अनुमान है। इसे एमएमआरडीए द्वारा निधि उपलब्ध कराया जाने वाला है। यह तटीय सड़क 13 किमी लंबी है और इसकी चौड़ाई 45 मीटर होगी। यह सड़क 5.5 किमी की दुरी एलिवेटेड अर्थात उन्नति मार्ग का होगा। चूंकि, यह तटीय सड़क सीआरजेड क्षेत्र से होकर गुजरती है, इसलिए उस हिस्से में एलिवेटेड मार्ग का निर्माण किया जाएगा। जबकि क्षेत्र में 450 मीटर लंबी सड़क भूमिगत होगी ताकि रक्षा बलों के अकबर शिविर के सुरक्षा मानदंडों में हस्तक्षेप न हो।

इस बीच, बाधाओं को दूर करने के लिए एक सलाहकार नियुक्त किया गया था। इस सलाहकार द्वारा किए गए सर्वेक्षण के लिए पर्यावरण विभाग की अनुमति की आवश्यकता होती है। साथ ही वन विभाग और अन्य विभागों के पास मंजूरी के लिए प्रस्ताव भी जमा कराये जायेंगे। तदनुसार 1316.18 करोड़ रुपए की संशोधित परियोजना रिपोर्ट एमएमआरडीए को पहले ही सौंपा जा चुका है।

इस प्रकार होगा कोस्टल रोड

डीपीआर के अनुसार 13 किमी तटीय सड़क होगी और इस सड़क की चौड़ाई 40 से 45 मीटर होगी। जैसे ही 5.5 किमी सड़क सीआरजेड से होकर गुजरती है, तो इसे एलिवेटेड कर दिया जाएगा। अकबर कैंप में रक्षा विभाग के निर्देशन में 450 मीटर लंबी भूमिगत सड़क का निर्माण किया जाएगा। कोलशेत, वाघबिल, पातलीपाडा और चार अन्य स्थानों पर कोस्टल रोड पर प्रवेश और निकास प्रदान किया जाएगा। भिवंडी में एक बड़ा वाहन पार्किंग स्थल का निर्माण किया जाएगा। वहीं कांदलवन वन संरक्षण समिति की ओर से खारेगांव से गायमुख तक के तटीय मार्ग का भी निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण भ्रमण प्रमंडलीय वनाधिकारी आदर्श रेड्डी के मार्गदर्शन में किया गया। महानगरपालिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस बार कितने मैंग्रोव (कांदलवन) वनों को नष्ट किया जाएगा और इसका पुनः रोपण सतारा के महाबलेश्वर सहित वलवन गांव में 15 हेक्टेयर भूमि पर किया जाएगा।

घोड़बंदर ट्रैफिक जाम का होगा समाधान

घोड़बंदर रोड के समानांतर खारेगांव-गायमुख कोस्टल रोड होने से घोड़बंदर रोड पर भारी ट्रैफिक से राहत मिलेगी। चूंकि सभी भारी वाहन मुंबई, गुजरात, नासिक और अन्य स्थानों तक पहुंचने के लिए घोड़बंदर मार्ग का उपयोग करते हैं, इस स्थान पर बहुत बड़ा ट्रैफिक जाम होता है। कोस्टल रोड बनने के बाद वाहन चालकों को इस परेशानी से निजात मिल जाएगी।

55 वर्षीय शख्स ने की आत्महत्या

नालासोपारा। नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में एक 55 वर्षीय शख्स द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना सामने आई है। इस मामले में आचोले पुलिस ने सीआरपीसी 174 के तहत केस दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुट गयी है। मिली जानकारी के अनुसार,मेलवेन फनार्डीज (55), यशवंत वैभव बिल्डिंग, नालासोपारा पूर्व में रहता था। बताया गया कि, उसकी बेटी बेंगलुरु में पढ़ रही थी जब उसने मार्च 2022 में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके बाद मेलवेन मानसिक तनाव में था। जिसके चलते 10 सितंबर को मेलवेन ने छत पर लोहे के हुक से नायलॉन की रस्सी से लटककर आत्महत्या कर ली हो। घटना की सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टर मार्टम के लिए भेज दिया है। आगे की तहकीकात पुलिस कर रही है।

रेलवे स्टेशन से शातिर चोर गिरफ्तार

विरार। विरार रेलवे स्टेशन से आरपीएफ की टीम ने एक शातिर मोबाइल चोर धर दबोचकर जीआरपी वसई कर हवाले कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार,विरार स्टेशन क्षेत्र में टीओपीबी के मामले के संबंधित निरीक्षक विरार के उचित मार्गदर्शन के तहत आरपीएफ के एएसआई हसमुख भाई स्टेशन पर रात्रि गस्त के दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 1/2 से एक बाहरी व्यक्ति को यात्री का मोबाइल चोरी करते हुए पाए जाने पर कांस्टेबल जसवंत सिंह के साथ पकड़ कर पुछताछ करने पर उसने अपना नाम कमलेश रजनीकांत शाह (32), निवासी- फुलपाड़ा, विरार (पूर्व) का निवासी होना व प्लेटफार्म 1/2 पर सोए हुए व्यक्ति का मोबाइल चुराया होने का तथा प्लेटफार्म नंबर 3/4 मेन बुकिंग के पास सेव्यात्री के पॉकेट से 1700/ रुपए नकद चुराया होने का स्वीकार किया। उसके पास से नकद 1700 रुपए तथा एक ओपो कंपनी का मोबाइल पाया, जानकारी के अनुसार,उक्त पकड़े हुए व्यक्ति को आरपीएफ कार्यालय लाया गया और मेडिकल चेक अप कर बाद जीआरपी वसई के हवाले कर दिया गया है।आगे की जांच जीआरपी वसई कर रही है। ज्ञात हो कि,आरपीएफ द्वारा यात्रियों की सुरक्षा को लेकर समय - समय पर मोबाइल चोरो की धर पकड़ मुहिम चलाती रहती है।

भूत का साया बताकर लड़की के साथ दुष्कर्म

नालासोपारा। मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र अंतर्गत तुलिंज पुलिस ने इलाज करने के नाम पर दुष्कर्म करने वाले एक फर्जी बाबा को गिरफ़्तार किया है। जानकारी के मुताबिक यह मामला नालासोपारा पूर्व इलाके के लक्ष्मी नगर का है, जहां एक व्यक्ति (बाबा) ने बीमार 20 वर्षीय लड़की पर भूत का साया है बताकर उसके साथ दुष्कर्म किया। यह घटना 07 सितम्बर 2022 का है, जब लड़की की तबियत ज्यादा खराब हो गई। जिसके बाद बीमार लड़की के परिजनों में इस बाबा के पास ले गए। तब आरोपी ने बताया कि लड़की पर भूत का साया है, उसे उतारना पड़ेगा। जिसके बाद लड़की को कमरे में बंद कर तंत्र मंत्र करने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। फि लहाल पीड़ित लड़की की शिकायत पर तुलिंज पुलिस ने फर्जी बाबा को गिरफ़्तार कर लिया। आगे की जांच जारी है।

लोगो वाले वाहनों पर ट्रैफिक पुलिस कसेगी शिकंजा

ठाणे : ठाणे ट्रैफिक पुलिस अब अवैध रूप अपने वाहनों पर पुलिस, प्रेस और सरकारी कार्यालय का लोगो लगाकर चलने वालों के विरुद्ध शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। दरअसल, कई बड़े पद पर कार्यरत अधिकारी अपने वाहनों पर लालबत्ती लगाकर घूमते थे और गैरकानूनी घटनाओं को अंजाम देते थे। इसी वजह से वाहनों से लालबत्ती हटा दी गई थी। वहीं वाहनों पर पुलिस या अन्य विभाग का लोगो लगाने पर भी पाबंदी लगा दी गई थी। इसके बावजूद भी ठाणे पुलिस में कार्यरत कई पुलिस कर्मचारी और अधिकारी अपने निजी वाहनों पर पुलिस लिखवाकर अथवा लोगो लगाकर नियमों का उल्लंघन कर रहे है। ठाणे ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त दत्तात्रय कांबले ने बताया कि एक बार ट्रैफिक पुलिस द्वारा चेतावनी दी जा चुकी है। अब जिस किसी भी वाहन पर अवैध रूप से पुलिस, प्रेस अथवा या अन्य विभाग का लोगो पाया जाता है तो उन वाहन चालकों पर ट्रैफिक नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

किसी को भी नहीं कर सकेंगे कॉल!

उपायुक्त कांबले के अनुसार जब कोई भी ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी पुलिस पर कार्रवाई करने जाता है तब पुलिसवाले किसी मित्र या अन्य सहकारी को फोन कर छूट जाते हैं। इसलिए ट्रैफिक पुलिस इन अधिकारियों पर सीधे ऑनलाइन तरीके से चालान काटेगी। इससे पुलिसकर्मी, अवैध प्रेस वाले, सरकारी लोगो का उपयोग करने वाले सहित अन्य छूट नहीं पाएंगे।

आदिवासी गांवों को तब्दील किया जाएगा आदर्श गांवों में : कपिल पाटिल

कल्याण : जिले के आदिवासी गांवों को आदर्श गांव में बदलने के लिए प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम विकास योजना लागू की जाएगी। केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री कपिल पाटिल ने संपन हुई एक बैठक में गांवों में विस्तृत योजना तैयार करने का सुझाव दिया। केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल ने बैठक में जानकारी दी कि एक करोड़ रुपए का फंड केंद्र सरकार ने आदर्श ग्राम की अवधारणा के आधार पर अनुसूचित जनजाति यानी आदिवासी समुदायों की बड़ी आबादी वाले गांवों के एकीकृत, सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम विकास योजना को लागू करने का फैसला किया है।

मंत्री कपिल पाटिल ने विशेष बैठक की

इस योजना के तहत ठाणे जिले के 121 गांवों का चयन किया गया है। इसमें शाहपुर तालुका के 44, भिवंडी के 36, मुरबाड़ के 25, अंबरनाथ के 10 और कल्याण के 11 गांव शामिल हैं। प्रत्येक वर्ष तय सुधा योजना के तहत गांवों का विकास किया जाएगा और पाँच वर्षों में सभी गाँवों का विकास चरणों में किया जाएगा। इन गांवों में योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल ने विशेष बैठक की। केंद्र के अन्य विभागों की योजनाओं और राज्य सरकार की योजनाओं के अभिसरण (रूपांतरण) के माध्यम से आदिवासी गांवों में बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए जाएंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल ने उसी दृष्टि से विकास योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। इस अवसर विधायक दौलत दरोदा, आदिवासी विभाग के शाहपुर परियोजना अधिकारी आर. एच. किल्लेदार, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविनाश फड़तरे, कृषि विभाग के जिला अधीक्षक दीपक कुटे सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और सभी तालुकों के समूह विकास अधिकारी उपस्थित थे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी गिरफ्तार

नालासोपारा : 13 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म मामले में पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत पेल्हार पुलिस ने 11 सितंबर को अस्लम खान नामक शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक,आरोपी के ऊपर पेल्हार थाने में 376,364 अ,506 व पोस्को एक्ट के तहत दर्ज कर उसे आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

युति आघाडी को लेकर अभी तक कोई बैठक नही- प्रभाकर पाटिल

बोईसर : तालुका में 83 ग्राम पंचायतों के लिए चुनाव हैं,इन सभी ग्राम पंचायतों में बहुजन विकास आघाडी चुनाव लड़ेंगे, इनमें से अधिकांश ग्राम पंचायतें बोईसर विधानसभा क्षेत्र में हैं,बहुजन विकास आघाडी के पालघर तालुका अध्यक्ष प्रभाकर पाटिल ने कहा कि युति आघाडी को लेकर अभी तक कोई बैठक नहीं हुई है।

आतंकी का शव परिवार को नहीं मिलेगा, सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम संस्कार के लिए शव कब्र से निकालने की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के हैदरपोरा में सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में मारे गए आतंकी अमीर माग्रे का शव कब्र से बाहर निकालने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने ठुकरा दी है। आमिर के पिता लतीफ ने याचिका दाखिल कर मांग की थी कि विधिवत अंतिम संस्कार के लिए उसके बेटे के शव को निकालने की मंजूरी दी जाए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस बीएस पारदीवाला की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि शव के विघटन का आदेश तब तक नहीं दे सकते, जब तक यह न दिखे कि इससे न्याय का हित हो रहा है। आमिर नवंबर 2021 में दो साथियों के साथ एनकाउंटर में मारा गया था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि एक बार दफनाने के बाद शरीर को कब्र से नहीं निकालना चाहिए। जम्मू-कश्मीर से जो जानकारी मिली है उसके अनुसार मृतक को पूरे विधि-विधान के साथ दफनाया गया है। कोर्ट ने कहा कि मृतक के शरीर को उचित रूप से दफन नहीं किया गया है यह तथ्य पूर्ण रुप से गलत है। बेंच ने कहा पिता की भावनाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन अदालत भावनाओं के आधार पर मामलों का फैसला नहीं कर सकती है।

जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय का फैसला न्यायसंगत है । कोर्ट ने मोहम्मद लतीफ माग्रे द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि परिवार को मुआवजे के संबंध में उच्च न्यायालय के निर्देश का पालन करें और उन्हें कब्र पर नमाज़ अदा करने की भी अनुमति दें। सुनवाई के दौरान, जम्मू-कश्मीर प्रशासन का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने कहा कि मृतक एक आतंकवादी था। उसका अंतिम संस्कार इस्लामी रीति-रिवाज के अनुसार ही हुआ था। जम्मू-कश्मीर प्रशासन के वकील ने कहा कि आठ महीने बीत गए, शरीर सड़ चुका होगा और अब शव को निकालने से कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा होगी। जम्मू और कश्मीर प्रशासन की ओर से वकील तरुना अर्धेंदुमौली प्रसाद उपस्थित थे। माग्रे ने जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसने उनके बेटे के शरीर को निकालने की अनुमति नहीं दी थी। पिछले साल 15 नवंबर को श्रीनगर के बाहरी इलाके में हुई मुठभेड़ में आमिर माग्रे समेत चार लोग मारे गए थे। याचिका अधिवक्ता नुपुर कुमार के माध्यम से दायर की गई थी।

आय से अधिक संपत्ति मामले में झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत

नई दिल्ली। आय से अधिक संपत्ति के मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रमुख और राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन के विरुद्ध लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम-2013 के प्रविधानों के तहत भारत के लोकपाल द्वारा शुरू की गई कार्यवाही पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को रोक लगा दी। शिबू सोरेन की चुनौती याचिका पर न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की पीठ ने मामले में नोटिस जारी करते हुए सुनवाई 14 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। सोरेने ने याचिका में दावा किया है कि उनके खिलाफ की गई कार्यवाही कानून की दृष्टि से अधिकार क्षेत्र के बगैर की गई है।

5 अगस्त 2020 को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की शिकायत पर भारत के लोकपाल ने सोरेन के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई थी।इसके बाद सीबीआइ को लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम-2013 की धारा 20(1)(ए) के तहत शिकायत की प्रारंभिक जांच करने का निर्देश दिया गया था। सोरेन ने दावा किया कि उक्त आदेश उन्हें

नहीं दिया गया था।

शिकायत को झूठी व तुच्छ बताते हुए शिबू सोरेन ने अधिवक्ता वैभव तोमर के माध्यम से दायर याचिका में कहा कि अधिनियम की धारा-53 के तहत अपराध से सात वर्ष की समाप्ति के बाद की लोकपाल से की गई किसी भी शिकायत की जांच या जांच करने के अधिकार क्षेत्र पर वैधानिक रोक है। याचिका में कहा गया है कि शिकायत की तारीख से प्रारंभिक जांच पूरी करने के लिए 180 दिनों की अधिकतम अवधि एक फरवरी 2021 को समाप्त हो गई।इस समय तक उनसे से केवल एक जुलाई 2021 को टिप्पणियां मांगी गई थीं, जो निर्धारित वैधानिक अवधि से परे है। अंतिम प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सीबीआई ने 29 जून 2022 को 180-दिन की अवधि समाप्त होने के लगभग डेढ़ साल बाद प्रस्तुत की।इस तरह की रिपोर्ट कानून की नजर में शून्य है और इस पर लोकपाल द्वारा विचार नहीं किया जा सकता है।

पीठ ने चार अगस्त 2022 को भारत के लोकपाल द्वारा पारित आदेश को नोट किया। साथ ही यह भी देखा कि भारत के लोकपाल ने जो कुछ भी दर्ज किया वह यह था कि याचिकाकर्ता से प्राप्त टिप्पणियों को सीबीआइ को भेज दिया गया था, ताकि जांच की जा सके और एक जांच रिपोर्ट जमा की जा सके। हालांकि, लोकपाल द्वारा अधिकार क्षेत्र ग्रहण करने की चुनौती का न तो उत्तर दिया गया है और न ही निपटाया गया है। पीठ ने कहा कि ऐसे में मामलेपर विचार करने की आवश्यकता है और लोकायुक्त के समक्ष लंबित कार्यवाही पर रोक जारी रहेगी।

योगी आदित्यनाथ ने किया निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रेटर नोएडा पहुंचकर जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षणकिया। उन्होंने समय सीमा के अंदर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। दोपहर मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दोपहर दो बजे जेवर में एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में बने हेलीपैड पर उतरा। यहां निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय पहुंचे। इसके बाद श्री योगी गौतमबुद्धनगर यूनिवर्सिटी पहुंचे और इसके बाद यहां सवा तीन बजे तक सीएम रहे। 3:20 बजे सीएम एक्सपो मार्ट पहुंचे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीवर में दो लोगों मौत मामले में मीडिया रिपोर्टों पर लिया संज्ञान, एमसीडी को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। पिछले दिनों सीवर में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण दो सफाईकर्मी की मौत मामलें में मीडिया रिपोर्ट्स पर दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए एमसीडी को नोटिस जारी किया है। दो दिन पहले राजधानी के मुंडका थाना क्षेत्र स्थित लोकनायक पुरम कालोनी में सीवर की सफाई के दौरान दो व्यक्तियों की मौत दम घुटने से हो गई। दोनों सफाई कर्मचारियों की पहचान रोहित व अशोक के तौर पर की गई है। अब दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले पर गंभीरता दिखाते हुए दिल्ली नगर निगम को नोटिस जारी किया है।

सफाईकर्मी और गार्ड की दम घुटने से हुई मौत

मालूम हो कि शुक्रवार को लोकनायक पुरम कालोनी में

> *बचाव कार्य के लिए दमकलकर्मियों को भी बुलाया गया। सभी ने मिलकर सीवर के अंदर दाखिल होने के लिए आसपास खोदाई की ताकि उनके बारे में पता चल सके।*

डीडीए से कुछ लोग सीवर सफाई के लिए पहुंचे। उन्होंने यहां सोसाइटी में काम करने वाले रोहित को मेन होल में उतरने के लिए मनाया। बिना किसी सुरक्षा उपकरण के जान जोखिम में डालकर रोहित सीवर के अंदर गए। मगर काफी देर तक बाहर नहीं आए। जब उन्हें अंदर गए करीब 10-15 मिनट बीत गए, तब लोगों को आशंका हुई। पुलिस ने बताया कि रोहित के नहीं निकलने पर सोसाइटी में कार्यरत गार्ड अशोक उसे दिखने सीवर में उतर गए। मगर वे भी नहीं बाहर नहीं आए। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस की टीम पहुंची। बचाव कार्य के लिए दमकलकर्मियों को भी बुलाया गया। सभी ने मिलकर सीवर के अंदर दाखिल होने के लिए आसपास खोदाई की ताकि उनके बारे में पता चल सके। खुदाई के बाद सीवर से दोनों मिले लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

दिल्ली पुलिस की वैन ने स्कूटी को मारी टक्कर, 2 महिलाएं घायल

नई दिल्ली। एक घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें दिल्ली पुलिस की एक वैन को स्कूटी से टकराते देखा जा सकता है, जिसमें दो महिलाओं को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद पुलिस कर्मियों ने कथित तौर पर महिलाओं को समझौता करने के लिए मनाने की कोशिश की।

घटना 4 सितंबर की रात करीब 2 बजे द्वारका के बिंदापुर में हुई। महिलाओं का आरोप है कि पुलिसकर्मी नशे की हालत में थे।

सूत्र ने कहा, 'दोनों महिलाएं स्कूटी से कार्यालय से घर जा रही थीं, तभी उन्हें एक पुलिस वैन ने टक्कर मार दी। महिलाओं ने आरोप लगाया कि इस संबंध में कोई शिकायत दर्ज नहीं करने के लिए उन्हें पैसे की पेशकश की गई।'

महिलाओं का आरोप है कि पुलिस ने सड़क पर लगे खून के धब्बे मिटाकर सबूत मिटा दिए। संपर्क करने पर पुलिस ने कहा कि उन्हें घटना की जानकारी

नहीं है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'यह घटना हमारे संज्ञान में नहीं है।' मौत हो चुकी थी।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 14 सितम्बर 2022

फिर से शाही परिवार में शामिल होंगे प्रिंस हैरी?

– लंबे अरसे बाद दिखे भाई राजकुमार विलियम के साथ

लंदन (एजेंसी)।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत के बाद यह सवाल एक बार फिर से उठ रहा है ?कि क्या प्रिंस हैरी एक बार फिर से शाही परिवार में शामिल होंगे। महारानी की मौत के बाद श्रद्धांजलि सभा के दौरान राजकुमार हैरी को अपने बड़े भाई के साथ देखा गया था। इस दौरान हैरी अपनी पत्नी मेगन के साथ राजकुमार विलियम और उनकी पत्नी केट के साथ नजर आए थे। दोनों दंपति विंडसर कैसल के बाहर, महारानी को श्रद्धांजलि देने आए लोगों की भीड़ का अभिवादन करते नजर आए। विलियम और हैरी को मार्च 2020 के बाद पहली बार

सार्वजनिक तौर पर एक साथ देखा गया। सिंहासन के उत्तराधिकारियों की पंक्ति में दूसरे स्थान पर रहे विलियम, अपने पिता महाराजा चार्ल्स तृतीय के राजा बनने के बाद, पहले उत्तराधिकारी बन गए हैं। महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद चार्ल्स स्वाभाविक तौर पर राजा बन गए हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि नए शासक के आने के साथ ही राजपरिवार में विलियम और केट की केंद्रीय भूमिका बढ़ जाएगी। हैरी द्वारा दो साल पहले शाही दायित्वों का परित्याग करने और अमेरिका जाने के बाद विलियम और हैरी के बीच रिश्ते अच्छे नहीं रहे। बताया जा रहा है ?कि हाल ही में उनकी एकता के प्रदर्शन की पहल विलियम ने की थी। कुछ जानकारों का यह भी मानना है कि 37 वर्षीय हैरी पुनः राजपरिवार में शामिल हो सकते हैं और अपने बड़े भाई की मदद करने के लिए उनकी जिम्मेदारियों का बोझ साझा कर सकते हैं। मैजेस्टी पत्रिका के प्रबंध निदेशक जो लिट्ल ने कहा कि निश्चित तौर पर विलियम और कैथरीन, नए प्रिंस और प्रिंसेस ऑफ वेल्स के तौर पर, मीडिया की नजरों में होंगे।

भारत और जीसीसी ने परामर्श तंत्र को लेकर एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव नायफ फलाह मुबारक अल-हजरफ के साथ 卐सार्थक卐 बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और छह देशों के क्षेत्रीय संगठन जीसीसी के बीच परामर्श तंत्र को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जयशंकर भारत और सऊदी अरब के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे हैं। विदेश मंत्री के रूप में यह सऊदी अरब की उनकी पहली यात्रा है। जयशंकर ने शनिवार को यात्रा के पहले दिन जीसीसी के महासचिव से मुलाकात की और मौजूदा क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट किया, 卐जीसीसी के महासचिव डॉ. नायफ फलाह मुबारक अल-हजरफ के साथ बैठक सार्थक रही। भारत और जीसीसी के बीच परामर्श तंत्र को लेकर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। वर्तमान क्षेत्रीय व वैश्विक स्थिति और उस संदर्भ में भारत-जीसीसी सहयोग की प्रासंगिकता पर चर्चा की।卐 जीसीसी एक क्षेत्रीय, अंतर सरकारी, राजनीतिक व आर्थिक संघ है जिसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। भारत के जीसीसी के साथ पारंपरिक रूप से सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं।

बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री लेकर पाकिस्तान पहुंचे अमेरिकी विमान

कराची । बाढ़ प्रभावित पाकिस्तानियों के लिए कई टन राहत सामग्री लेकर दो और अमेरिकी सैन्य विमान दक्षिणी सिंध प्रांत में उतरे। पाकिस्तान का यह प्रांत बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता सैफ उल्लाह ने कहा कि प्रत्येक विमान में लगभग 35 टन राहत सहायता थी, जिसे विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा प्रांत में वितरित होगा। सैफ उल्लाह ने कहा कि विमान सिंध के सुक्कुर हवाई अड्डे पर उतरा और अमेरिकी अभियान 16 सितंबर तक जारी रहेगा। पाकिस्तान को इस साल जून के मध्य में शुरू हुई अत्यधिक भारी मॉनसूनी बारिश का सामना करना पड़ा है। कई अधिकारियों और विशेषज्ञों ने बारिश और इसके चलते आई बाढ़ के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने पिछले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान को भारी मात्रा में सहायता भेजने का आह्वान किया था। उल्लाह ने रविवार को कहा कि संयुक्त अरब अमीरात से राहत सामग्री लाने वाली दो और उड़ानें कराची हवाई अड्डे पर उतरीं।

श्रीलंका: 37 राज्य मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर विक्रमसिंघे विपक्ष के निशाने पर

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ऐसे समय 37 राज्य मंत्रियों को अपनी सरकार में शामिल करने और जल्द ही कम से कम 12 और कैबिनेट मंत्रियों को नियुक्त करने के कदम को लेकर विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं जब द्वीपीय देश दिवालियेपन का सामना कर रहा है। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बृहस्पतिवार को 37 कनिष्ठ मंत्रियों को नियुक्त किया था, जो मुख्य रूप से सत्तारूढ़ श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) और श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) से हैं। 37 नये मंत्री पद राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल के अतिरिक्त हैं, जिसने जुलाई के अंत में पदभार संभाला था। कम से कम 12 और कैबिनेट मंत्रियों को जल्द ही नियुक्त करने की चर्चा चल रही है। विपक्ष ने राष्ट्रपति के इस कदम की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि सरकार ऐसे समय में विस्तार को बर्दाश्त नहीं कर सकती जब देश अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है और हाल ही में कर वृद्धि ने लोगों पर बोझ डाला है। मुख्य विपक्षी दल समागी जन बालवेगया (एसजेबी) के नेता साजिथ प्रेमदासा ने कहा, ''राष्ट्रपति और सरकार को उन लोगों की पीड़ा की कोई परवाह नहीं है जिन्हें गुजर बसर करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।'' जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा कि सरकार राज्य के मंत्रियों को सांसदों (सांसदों) के वेतन की पेशकश करके ज्यादा बचत नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, ''उन्हें भारी ईंधन भत्ते की अनुमति दी जा रही है जबकि टुक टुक (तिपहिया वाहन) ऑपरेटरों को केवल सीमित ईंधन की अनुमति दी गई है।'' शहरी विकास एवं आवास मंत्री और मुख्य सरकारी सचेतक प्रसन्ना रणतुंगा ने कहा था कि नये राज्य मंत्री देश पर बोझ नहीं बनेंगे क्योंकि वे बिना किसी मंत्री के विशेषाधिकार के काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि सभी राज्य मंत्री सांसदों के वेतन पर काम करेंगे, इसलिए वे सरकार पर कोई बड़ा बोझ नहीं होंगे। देश 1948 में अपनी स्वतंत्रता के बाद से अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है। यह संकट विदेशी मुद्रा भंडार की गंभीर कमी के कारण उत्पन्न हुआ है।

सतत आधारभूत ढांचा निवेश मंच की 14 सितंबर को मेजबानी करेगा नेपाल

नेपाल की एक शीर्ष सरकारी एजेंसी 'सीओपी26' शिखर सम्मेलन के दौरान सरकार की ओर से 'शून्य कार्बन' उत्सर्जन के संबंध मेंजतायी गई प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए इस सप्ताह एक निवेश मंच की मेजबानी करेगी। यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी। नवंबर 2021 में ग्लासगो में आयोजित 'सीओपी26' शिखर सम्मेलन के दौरान, नेपाल ने 2022 से 2045 तक 'शून्य कार्बन' उत्सर्जन और उसके बाद कार्बन निगेटिव बनने की अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा की थी। नेपाल ने बाद में 2030 तक वन क्षेत्र को 45 प्रतिशत तक बढ़ाने की बात की थी। नेपाल में सार्वजनिक-निजी भागीदारी और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सुविधा के लिए 2011 में स्थापित एक शीर्ष सरकारी एजेंसी, नेपाल निवेश बोर्ड (आईबीएन),14 सितंबर को यहां ''सतत आधारभूत ढांचा निवेश मंच'' की मेजबानी करेगा। आईबीएन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ''संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) के दौरान नेपाल सरकार द्वारा की गई प्रतिबद्धता के अनुसार शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की दृष्टि से संसाधन जुटाने के वास्ते यह मंच एक मील का पत्थर होगा।'' इसमें 400 प्रतिभागी शामिल होंगे जिनमें भारत, बांग्लादेश, ब्रिटेन और अमेरिकाजैसे देश शामिल हैं।

जयशंकर ने सऊदी अरब के युवराज से मुलाकात कर पीएम मोदी लिखित संदेश सौंपा

जेद्दाह (एजेंसी)।

भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात कर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दिया लिखित संदेश सौंपा। इस दौरान उन्होंने युवराज को द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति से भी अवगत कराया। जयशंकर दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे। विदेश मंत्री के रूप में यह सऊदी अरब की उनकी पहली यात्रा है।उन्होंने जेद्दा में सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की।

युवराज मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुल अजीज को पीएम मोदी की तरफ से एक लिखित संदेश मिला है। जेद्दा में युवराज के कार्यालय में हुई बैठक के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने मोहम्मद बिन सलमान को यह लिखित संदेश सौंपा।

बैठक के दौरान, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें प्रगाढ़ बनाने के अवसरों की समीक्षा की गई और नवीनतम क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की गई। जयशंकर ने ट्वीट किया,आज शाम जेद्दा में युवराज मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश दिया। उन्हें हमारे द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति से अवगत कराया। हमारे संबंधों के बारे में विचार साझा करने के लिए उनका धन्यवाद।

चीन ने आक्रमकता दिखाई, ताइवानी फौज को डराने में जुटे ड्रैगन के सैनिक

ताइपे (एजेंसी)।

चीन की ताइवान पर दावेदारी को लेकर चल रही तनातनी के बीच अमेरिकी कांग्रेस स्पीकर नैंसी पेलोसी की अगस्त में ताइवान दौरे का ऐलान के बाद से ही चीन की आक्रामकता का अनुमान लगाया जाने लगा। पेलोसी के ताइवान दौरे के बाद मिलिट्री ड्रिल के जरिए चीन ने अपनी आक्रामकता दुनिया को दिखाई। अब चीनी सेना ताइवान को अलग तरह से परख रही है। ताइवान की सीमा पर लगातार मंडराते ड्रोन के साथ ही चीनी मिलिट्री इस देश की जवाब देने की क्षमता का अंदाजा लगाने में लगी है। हाल ही में ताइवान की सेना ने एक चीनी ड्रोन को ढेर किया है और साथ ही उसने अपनी सुरक्षा को भी बढ़ा दिया है।

ताइवान के सैनिकों ने शुरुआत में तो चीनी ड्रोन्स को नजरअंदाज कर दिया था। इसके बाद ताइवान की सीमा की तरफ आने वाले चीनी ड्रोन्स की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ। ताइवान की तरफ से कई बार इन ड्रोन्स को दूर करने के लिए वॉर्निंग शॉट्स तक फायर किए गए। एक चीनी ड्रोन तो फायरिंग की वजह से समंदर में जा गिरा। पिछले एक महीने में ही करीब 30 ड्रोन्स उन दो द्वीपों की तरफ आए हैं जो ताइवान के हिस्से में हैं और चीन के दक्षिणी-उत्तरी तट की तरफ स्थित हैं। ज्यादातर ड्रोन्स या तो असैन्य थे या फिर इनकी पहचान नहीं हो सकी। लेकिन इतना तो तय था कि ये सभी ड्रोन्स उन मिलिट्री स्टेशंस को निशाना बनाने की कोशिशों में थे जहां पर ताइवानी सैनिक मौजूद हैं।इन ड्रोन्स की वजह से ताइवान और चीन के बीच तनाव और बढ़ गया है। चीन अक्सर यह दावा करता है कि ताइवान उसकी सीमा में आता है। अब इसने ताइवान स्ट्रैट में अपनी मौजूदगी को और बढ़ा दिया है। चीनी जेट्स ताइवान के करीब लगातार उड़ान भर रहे हैं। चीन ने युद्ध की आशंका के बीच ही ताइवान के सामने अलग तरह से चुनौती पेश करनी शुरू कर दी है। इसके बाद संघर्ष का खतरा भी बढ़ गया है। ताइवान स्थित नेशनल पॉलिसी फाउंडेशन में विशेषज्ञ चीह चुंग की मानें तो चीन इस तरह का उत्पीड़न करके दबाव बढ़ाना चाहता है और वह जान-बूझकर ताइवान के करीब टेंशन बढ़ा रहा है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि चीनी सेना की तरफ से पिछले हफ्ते चार ड्रोन्स उसकी तरफ भेजे गए हैं। सवाल यह उठता है कि चीन के ड्रोन्स को आने वाले समय में ताइवान कैसे जवाब देगा और क्या वाकई उसमें इतनी ताकत है कि वह चीनी ड्रोन्स का मुकाबला कर सके। चीन ने अभी तक टीबी-001, कॉम्बेट ड्रोन को भेजा है। इस ड्रोन को स्कॉर्पियन के नाम से भी जानते हैं। इसके अलावा रेकी करने वाले दो ड्रोन्स भी चीन की तरफ से भेजे गए हैं। चीनी ड्रोन्स अपनी सेना के लिए प्रमुख तौर पर इंटेलीजेंस इकट्ठा करने का काम करते हैं। दूसरी तरफ से चीन के असैन्य ड्रोन उसके प्रपोगेंडा को फैलाने का नया हथियार बन गए हैं। चीन का मकसद इन ड्रोन्स की वजह से ताइवान की इमेज को कमजोर करना है।

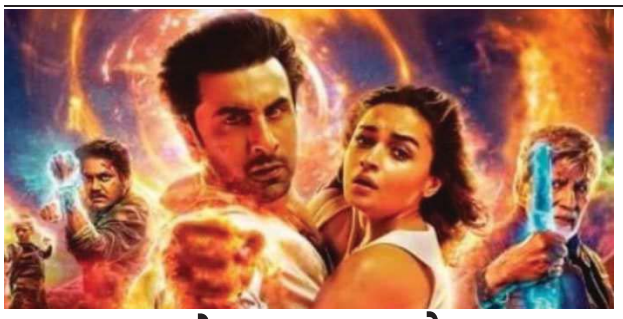

‘ब्रह्मास्त्र’ के इन अस्त्रों का मुंबई पुलिस ने लिया सहारा!

बॉलीवुड की बहुचर्चित फिल्म ब्रह्मास्त्र इन दिनों अपना कमाल दिखा रही है. एक्ट्रेस आलिया भट्ट की इस फिल्म ने पहले वीकेंड पर वर्ल्डवाइड 225 करोड़ का कलेक्शन कर बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है. इस बीच अब मुंबई पुलिस ने भी लोगों को जागरूक करने के लिए ब्रह्मास्त्र के वानर अस्त्र और नंदी अस्त्र का सहारा लिया है. जिस पर आलिया का मजेदार रिएक्शन सामने आया है. दरअसल मुंबई पुलिस और बॉलीवुड का नाता काफी पुराना है. आए दिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुंबई पुलिस की ओर से फिल्म के डायलॉग, कलाकार और सीन्स को लेकर मजेदार मीम्स शेयर किए जाते हैं, जिसके तहत लोगों को जागरूक किया जाए. हाल में यातायात नियमों को लेकर मुंबई पुलिस की ओर से ब्रह्मास्त्र के वानर अस्त्र और नंदी अस्त्र का सहारा लिया गया है. दरअसल मुंबई पुलिस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया है, इसमें पोस्ट में ब्रह्मास्त्र के वानर अस्त्र और नंदी अस्त्र की फ्रेटो देखने को मिलेगी. जिस पर लिखा है कि भले ही आपके पास वानर अस्त्र हो तो ट्रैफिक सिग्नल मत तोड़ो. भले ही आपके पास नंदी अस्त्र हो, लेकिन ओवर स्पीड में वाहन ने चलाए. इसके साथ ही कैप्शन में मुंबई पुलिस ने लिखा है कि- रफ्तार और जुनून आपके ब्रह्मांड को खतरे में डाल सकते हैं, सुरक्षित ड्राइविंग हमेशा के लिए सबसे बड़ा एक्स्ट्रा है.

महिमा चौधरी ने बताया था बॉलीवुड का काला सच, कहा- फिल्मों के लिए ऐसी हीरोइन चाहते हैं..

महिमा चौधरी बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं. फिल्म परदेस से डेब्यू करने के बाद वह रातों रात स्टार बन गई थीं. इसके बाद वह कुछ ही फिल्म में नजर आईं और बाद में लाइमलाइट से दूर हो गईं. फिल्मों में भले ही वह एक सहमी आवाज और शोख अदाओं वाली लड़की के किरदार में नजर आई हों, लेकिन समय-समय पर किसी भी अहम मुद्दों पर वह बेबाकी से अपनी राय रखती दिखी हैं. बॉलीवुड को लेकर भी उन्होंने निडरता से एक खुलासा किया था.

दरअसल, महमिा चौधरी ने एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म इंडस्ट्री के काले सच का खुलासा करते हुए फीमेल एक्टर्स को लेकर रही असमानता का जिक्र किया था. एक्ट्रेस के मुताबिक, इंडस्ट्री एक ऐसी स्थिति में पहुंच रही है जहां अभिनेत्रियों को अच्छा मौका दिया जा रहा है. उन्हें बेहतर पैसे और विज्ञापन मिलते हैं. वह अब मजबूत स्थिति में हैं. पहले के मुकाबले अब हीरोइनें ज्यादा पावरफुल पोजिशन और रोल में हैं. महिमा चौधरी ने बताया था कि पहले जैसे ही कोई हीरोइन किसी को डेट करना शुरू करती या फिर उसकी शादी की खबरें आतीं तो इंडस्ट्री उससे कन्नी काट लेती. उस समय इंडस्ट्री ऐसी हीरोइन चाहती थी जिसने किस तक न किया हो. उन्होंने कहा था, ‘अगर आप किसी को डेट कर रहे हो तो चचार्ए शुरू हो जातीं कि ओह ये डेट कर रही है. अगर आप शादीशुदा हैं तो फिर भूल ही जाओ तुम्हारा करियर तो खत्म. अगर बच्चा हो गया तो समझ लो करियर एकदम खत्म’. साल 1997 में फिल्मों में एंट्री के कुछ ही समय बाद महिमा चौधरी ने बिजनेसमैन बॉबी मुखर्जी से शादी कर ली थी. हालांकि बाद में उन्होंने तलाक ले लिया. महिमा एक बेटी की मां हैं, जिसकी कस्टडी वह खुद संभाल रही हैं. कुछ समय पहले एक्ट्रेस ब्रेस्ट कैंसर से लड़ाई लड़कर उबरी हैं. अब कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी से वह फिल्मों में अपनी वापसी के लिए तैयार हैं.

मिस्ट्री मैन के साथ स्पॉट हुईं तारा सुतारिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस एक रेस्टोरेंट से बाहर आते दिख रही हैं। इसी बीच एक्ट्रेस के साथ एक मिस्ट्री मैन दिख रहा है। उनके दोस्त ने कैमरे से खुद को बचाने के लिए अपना चेहरा हुडी से ढंक रखा है। जिसके बाद यूजर्स कई तरह के कयास लगाते दिख रहे हैं। कुछ लोग इस शख्स को कार्तिक आर्यन समझ रहे हैं तो वही कुछ इन्हें आदर जैन कह रहे हैं। वीडियो में तारा ब्लैक क्रॉप टॉप के साथ ब्लू डेनिम में नजर आईं। बता दें, हाल ही में तारा फिल्म एक विलन 2 में आदित्य रॉय कपूर और अर्जुन कपूर के साथ नजर आई थीं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो ऐक्ट्रेस इन दिनों करिश्मा कपूर के कजिन आदर जैन को डेट कर रही हैं।

ऋचा चड्ढा और अली फजल की शादी हुई पक्की, दिल्ली और मुंबई में दिया जाएगा ग्रैंड रिसेप्शन

बॉलीवुड स्टार अली फजल और ऋचा चड्ढा 2021 में शादी के बंधन में बंधने वाले थे लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण उन्होंने अपनी शादी टाल दी। अब साल 2022 सितंबर में ये कपल शादी करने जा रहा है। वे शादी के बाद में मुंबई में लगभग 400 मेहमानों के साथ एक रिसेप्शन की मेजबानी करेंगे। बॉलीवुड कपल ऋचा चड्ढा और अली फजल लंबे इंतजार के बाद शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दोनों ने अपनी शादी के उत्सव के लिए एक सप्ताह के लंबे कार्यक्रम का फैसला किया है। समारोह 30 सितंबर से दिल्ली में शुरू होगा। शादी के बंधन में बंधने जा रहे दोनों की शादी 07 अक्टूबर को मुंबई में होगी। दोनों के धर्म अलग-अलग हैं ऐसे में माना जा रहा है कि दोनों के धर्मों की संस्कृति के अनुसार शादी की रस्में होंगी। केवल अपने करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में ही शादी करेगा। इसके बाद यह जोड़ी दिल्ली और मुंबई में शादी के रिसेप्शन की मेजबानी करेगी। दिल्ली में रिसेप्शन 2 अक्टूबर को होगा जबकि मुंबई बैश 7 अक्टूबर को प्लान किया जा रहा है। अली फजल और ऋचा चड्ढा लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी आने वाली फिल्मों की शूटिंग में काफी व्यस्त थे ऐसे में शादी की प्लानिंग दोनों के शेड्यूल को बिगड़ सकती थी। दोनों ने साथ में एक शानदार वेडिंग फोटोशूट भी करवाया था जिसके बाद तो यह कहा जानें लग गया था कि दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएंगे लेकिन रिलेशनशिप के लगभग 8 साल बाद अब माना जा रहा है कि दोनों ने शादी करने का मन बना लिया है। उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट की शूटिंग भी काफी हद तक पूरी कर ली है ऐसे में दोनों सितंबर 2022 में शादी की प्लानिंग कर रहे हैं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 14 सितम्बर 2022

बनारसी साड़ी को धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

भारत में महिलाओं का सबसे पसंदीदा परिधान साड़ी है। चाहे पार्टी हो या फिर घर का कोई भी फंक्शन या फिर त्योहार, साड़ियां महिलाओं की पहली प्राथमिकता होती हैं। वह इसलिए कि साड़ी से महिलाओं को क्लासी लुक मिलता है। इसलिए महिलाएं ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए महंगी-महंगी साड़ियां खरीदती हैं। ज्यादतर महिलाएं बनारसी साड़ी पहनना और खरीदना पसंद करती हैं। महिलाएं बनारसी साड़ी खरीद तो लेती हैं लेकिन उसे साफ करने में उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि बनारसी साड़ी को धोते समय हुई छोटी-छोटी गलतियों की वजह से आपकी साड़ी खराब हो सकती है। अगर आप चाहती हैं कि आपकी बनारसी साड़ी सालों-साल खूबसूरत और नई जैसी नजर आए, तो साड़ी को धोते समय इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

हल्के साबुन के घोल से करें साफ

वैसे तो बनारसी साड़ी को ड्राई क्लीन करवाना चाहिए। लेकिन अगर आप साड़ी को घर पर ही क्लीन करना चाहती हैं, तो आप हल्के साबुन, डिटर्जेंट या प्रोटीन स्टेन रिमूवर का इस्तेमाल ही करें। क्योंकि अगर आप हार्ड साबुन के घोल का प्रयोग करती हैं, तो इससे आपकी साड़ी का कपड़ा खराब हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बनारसी साड़ी का कपड़ा बेहद डेलिकेट होती है और इसे आम साड़ियों की तरह साफ नहीं किया जा सकता है।

ठंडे पानी का करें इस्तेमाल

इसके अलावा, आप बनारसी साड़ी को हमेशा ठंडे पानी से धोएं। क्योंकि गर्म पानी से आपकी साड़ी खराब हो सकती है। लेकिन, आप हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं, ठंडे पानी का इस्तेमाल करने से साड़ी ना सिर्फ साफ हो जाती है बल्कि उसका कलर फेड भी नहीं होता।

इस तरह हटाएं दाग

कई बार महिलाओं की बनारसी साड़ी पर दाग लग जाते हैं, तो वह उसे हटाने के लिए हार्ड वॉशिंग पाउडर का इस्तेमाल करती हैं। और अपनी पूरी साड़ी को डिटर्जेंट या प्रोटीन स्टेन रिमूवर में भिगोकर रख देती हैं। ऐसा करने से दाग साफ, तो हो जाता है लेकिन साड़ी का कलर भी फेड होने लग जाता है। इसलिए आप प्रोटीन स्टेन रिमूवर को केवल दाग पर ही डालें और उसे साफ करें। साथ ही, आप बनारसी साड़ी पर लगे जूस, आइसक्रीम और चाय के दाग को भी ऐसी साफ करें।

ब्रश से नहीं करें साफ

अगर आप बनारसी साड़ी को घर पर ही धो रही हैं, तो आप साड़ी को साफ करते समय कभी भी ब्रश का इस्तेमाल ना करें। क्योंकि ब्रश से आपकी साड़ी खराब हो सकती है। साथ ही, आपकी साड़ी का कपड़ा फट भी सकता है। इसलिए जब भी आप अपनी बनारसी साड़ी को साफ करें, तो हल्के हाथों से ही रगड़ें। ऐसा करने से आपकी साड़ी साफ भी हो जाएगी और उसे कोई नुकसान भी नहीं होगा।

इस तरह रखें ख्याल

- आजकल बाजार में बनारसी साड़ी को साफ करने या वॉश करने के लिए कई तरह के वॉशिंग प्रोडक्ट मिलने लगे हैं। आप इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल करके साड़ी को धो सकती हैं।
- अगर आपकी साड़ी पर दाग लग गए हैं, तो आप उसे हाथों हाथ धो कर ही रखें।
- बनारसी साड़ी को कभी भी वाशिंग मशीन में धोने की गलती ना करें।
- साड़ी पहनते समय ज्यादा पिनों का प्रयोग ना करें क्योंकि पिन से पल्ले व प्लेटों के फटने का भय रहता है।
- अपनी साड़ी को सेंट या इत्र की सुगंध से दूर रखें। सुगंध के कारण साड़ी का कलर खराब होने की पूरी संभावना रहती है।
- साड़ी को ऐसी जगह रखें जहां चूहे ना आते हो।

स्किन और बालों के लिए असरदार है ग्रेप सीड ऑयल

अक्सर लोग स्किन प्रोब्लम्स और बालों के झड़ने की समस्या से परेशान रहते हैं। कई लोगों को ये समस्या समझने में बहुत देर भी हो जाती है। लेकिन आपकी इन दोनों परेशानी का हल ग्रेप सीड ऑयल है। जी हां, ग्रेप सीड ऑयल ना सिर्फ स्किन बल्कि हमारे बालों को लिए भी बेहद फायदेमंद है। खास बात ये है कि ग्रेप सीड का तेल वाइन बनाते समय मिलता है। इसमें विटामिन ई होने के साथ-साथ ओमेगा सीड फैटी एसिड होता है। कहा जाता है कि बालों को झड़ने से रोकने के लिए ओमेगा का सेवन करना जरुरी होता है।

ग्रेप सीड ऑयल के अन्य फायदे

ग्रेप सीड ऑयल को आप सीरम की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे सीरम के तौर पर चेहरे पर लगा सकते हैं। अगर आप चाहें को ऑयल को किसी लोशन में मिलाकर भी अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं। वहीं, इस सबके अलावा ग्रेप सीड ऑयल का इस्तेमाल खाना बनाने में भी किया जाता है। इस तेल का नियमित सेवन करने से शरीर को बहुत लाभ पहुंचता है। कुल मिलाकर ग्रेप सीड ऑयल बालों और त्वचा के अलावा हमारे शरीर के लिए भी लाभदायक है।

स्किन के लिए फायदेमंद ग्रेप सीड

ग्रेपसीड ऑयल हमारी स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। ग्रेप सीड ऑयल को मॉइश्चराइजिंग मास्क की तरह भी उपयोग में लाया जाता है। इसे लोबान या लेवेंडर जैसे तेल में मिलाकर मास्क तैयार किया जा सकता है। आपको ये भी बता दें कि ग्रेप सीड ऑयल को हाथों में रगड़कर चेहरे पर भी लगाया जा सकता है।

बालों की जड़ें मजबूत करता है ग्रेप सीड ऑयल

ग्रेप सीड ऑयल में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी माइक्रोबियल कते तत्व भी शामिल होते हैं, जो हमारे बालों की जड़ों को मजबूत करने में सहायक होता है। ये तेल डीप कंडीशनर का काम करता है। इतना ही नहीं, ग्रेप सीड ऑयल हमारी स्कैल्प मॉइश्चराइज करता है, जिससे रूसी (डैंड्रफ) और सेल्युलर डैमेज नहीं होता। जानकारी के लिए बता दें कि ग्रेप सीड ऑयल के कई फायदे हैं। इसका इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है। अगर आपको ड्राई बालों की समस्या रहती है, तो आप ग्रेप सीड ऑयल एक बेहतरीन लाइट मॉइश्चराइजर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

आपने कभी सोचा है कि सूरज की रोशनी हमें सफेद दिखाई पड़ती है, जबकि उसमें सारे प्राथमिक रंगों का मिश्रण होता है। यह एक दिलचल्प सवाल है कि धूप में अनेक रंग मिले होते हैं, लेकिन वह सफेद नजर आती है, तभी तो कभी-कभार आसमान में इंद्रधनुष नजर आता है। वैसे यह मामला रंगों से जुड़ा हुआ है।

सफेद क्यों नजर आती है धूप

रंगों की दुनिया में प्राथमिक रंग लाल, नीला और हरा माना जाता है। इसके अलावा प्राथमिक रंग दो प्रकार के होते हैं। एक तो वो जो प्रकाश के रंग होते हैं लाल, हरा और नीला और दूसरे वो जो पिगमेंट्स यानी पदार्थों के रंग होते हैं यानी जिनका प्रयोग हम पेंटिंग आदि में करते हैं। ये हैं लाल, नीला और पीला है। इन दोनों में मोटे तौर पर फर्क गुणों का है। एक में जुड़ने का गुण होता है तो दूसरे में घटने का। जो प्रकाश के प्राथमिक रंग होते हैं, वे योगात्मक रंग कहलाते हैं और पिगमेंट्स के रंग सब्सट्रैक्टिव यानी व्यकलात्मक रंग कहलाते हैं। अब इन दोनों का अंतर समझें। पिगमेंट्स यानी पदार्थ के रूप में उपलब्ध रंगों की खास बात यह होती है कि वह प्रकाश पड़ने पर सारे रंगों को अवशोषित कर लेती है और सिर्फ उसी रंग को परावर्तित करती है जिस रंग की होती है। जैसे कि आसमान सिर्फ नीले रंग को परावर्तित करता है और इसलिए वह नीला दिखाई पड़ता है। साफ है कि पदार्थ के रंगों की प्रवृत्ति यह होती है कि वह वस्तु के रंग को छोड़कर बाकी रंगों को हटा देता है। इसलिए वे कहलाते हैं सब्सट्रैक्टिव यानी व्यकलात्मक रंग। दूसरी ओर प्रकाश के रंगों की प्रवृति दूसरे तरह की होती है। इसकी खासियत यह है कि वह जैसा है वैसा दिखाई पड़ता है। लाल रंग का प्रकाश है तो लाल रंग है यदि हरा है तो हरा है। लेकिन यदि कोई दो रंग एक साथ आ जाएं तो वे घुलमिल जाते हैं। जैसे लाल और हरा रंग एक साथ मिल जाए तो पीला दिखेगा। यानी प्रकाश के रंगों में जुड़ने का गुण होता है। इसलिए वे एडीटिव या योगात्मक रंग कहलाते हैं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 14 सितम्बर 2022

हाइवे पर कार में लगी आग

मदद के लिए रुके सीएम एकनाथ शिंदे

मुंबई : मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस राजमार्ग पर मंगलवार को तड़के एक महंगी कार में आग लग गई. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का काफिला उस वक्त घटनास्थल से ही गुजर रहा था और शिंदे कार सवार की मदद करने के लिए वहां रुके. दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि विले पार्ले इलाके में राजमार्ग पर हुई इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ. यह राजमार्ग मुंबई में एक प्रमुख सड़क मार्ग है. दमकल विभाग को दोपहर करीब 12 बजकर 25 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली. उन्होंने बताया कि दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया.

व्यक्ति को दिया मदद का आश्वासन

मुख्यमंत्री शिंदे का काफिला उस वक्त विपरीत सड़क से गुजर रहा था. वह घटना को देखकर कार यात्री की मदद के लिए रुके. सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें मुख्यमंत्री शिंदे कार चालक से बात करते नजर आ रहे हैं. बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने ड्राइवर का नाम पूछा, जिसने अपना नाम विक्रांत शिंदे बताया. मुख्यमंत्री ने व्यक्ति को कहा कि जीवन बहुत महत्वपूर्ण है . उन्होंने उसे जल रही कार के पास नहीं जाने के लिए कहा तथा वहां से जाने से पहले व्यक्ति को मदद का आश्वासन भी दिया. एक ट्विटर यूजर ने मामले का वीडियो शेयर किया है.

नागरिकों की शिकायत सुनने के लिए सरकार की नई पहल

महाराष्ट्र सरकार ने नागरिकों की लंबित शिकायतों एवं अनुरोधों पर ध्यान देने के लिए सोमवार को ह्यराष्ट्रनेता से राष्ट्रपिताह्न पहल की शुरूआत की. एक अधिकारी ने बताया कि यह अभियान 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक चलाया जाएगा. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संभागीय आयुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस से बैठक में उन्हें निर्देश दिया कि लंबित शिकायतों और अनुरोधों पर ध्यान दिया जाए. मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य है कि आम आदमी को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए राज्य सचिवालय तक नहीं जाना पड़े. उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस पाक्षिक अभियान की समीक्षा मंत्रिमंडल की बैठक में की जाएगी.

जोगेश्वरी में ट्रेन ओवरहेड तार के संपर्क में आकर जला युवक

मुंबई : मुंबई के जोगेश्वरी में सोमवार को एक ट्रेन की छत पर चढ़ने और एक ओवरहेड तार के संपर्क में आने से 20 वर्षीय एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया. जीआरपी अधिकारियों ने कहा कि वह जमीन पर घायल पड़ा पाया गया और इस बात का कोई गवाह नहीं है कि वह कैसे जल गया. पीड़ित अमन शेख जोगेश्वरी में एक रेलवे यार्ड से सटे एक ई-कॉमर्स गोदाम में काम करता है, और हर दिन सुबह 5:30 बजे रिपोर्ट करता है. पुलिस ने बताया कि अरावली एक्सप्रेस सुबह नौ बजे से शाम छह बजे के बीच यार्ड में खड़ी रहती है.

ट्रेन में चिनगारी निकलने से सामने आई घटना

सुबह करीब 10 बजे ट्रेन में तेज आवाज के साथ चिंगारी निकली, जिसके बाद रेलवे का एक चौकीदार दौड़ा और उसने देखा कि शेख जमीन पर पड़ा है, उसके कपड़े पूरी तरह से जले हुए हैं और शरीर जले हुए हैं. उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने कहा कि वह 80% जल चुके थे और उनकी हालत गंभीर थी. पुलिस ने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि शेख ट्रेन के पास क्यों गया था.

स्कूल बस में आग की घटना

एक अन्य घटना में बीते दिन नवी मुंबई कस्बे के खारघर इलाके में सोमवार को छात्रों को लेकर जा रही एक स्कूल बस में आग लग गई. अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने की घटना खारघर के सेक्टर नंबर-15 में पूर्वाह्न 11 बज कर करीब 30 मिनट पर हुई. उन्होंने बताया कि जिस समय वाहन में आग लगी, उस समय एक स्कूल के चार छात्र, एक कर्मचारी और चालक उसमें सवार थे. उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद पांच दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे. आग बुझाने के लिए एक पानी का टैंकर भी मौजूद था. अधिकारी ने बताया कि आग पर लगभग 15 मिनट में काबू पा लिया गया.

भिवंडी में फर्जी जीएसटी के जरिए करोड़ो रुपए की हेराफेरी करने वाला गिरफ्तार...

भिवंडी: फर्जी कंपनियों के नाम पर जीएसटी नंबर बनाकर 23 करोड़ रुपए का एडवांस टैक्स रिफंड हासिल करने और 132 करोड़ रुपए के चालान बनाने के अपराध के मास्टरमाइंड हसमुख पटेल को भिवंडी आयुक्त कार्यालय के टैक्स चोरी रोकथाम करने वाली टीम ने गिरफ्तार किया है। जीएसटी कार्यालय के सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भिवंडी कमिश्नरी में एंटी टैक्स चोरी दस्ते के अधिकारी विभिन्न फर्जी कंपनियों जैसे मेसर्स मेकटेक स्टील ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स यूजीएसके ट्रेडर्स, मेसर्स वर्ल्ड इंटरप्राइजेज मैं सर्च रोलेक्स इंटरप्राइजेज मैसर्स एचएचटी इंटरप्राइजेज, मैसर्स यश इंटरप्राइजेज कंपनी की जांच कर रहे थे ।जिनके पते भिवंडी शहर में पंजीकृत हैं। जांच में इन कंपनियों और हसमुख पटेल के बीच प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संबंधों का पता चला।

फर्जी कंपनियों का एक नेटवर्क बनाया गुप्त सूचना के आधार पर जीएसटी आयुक्तालय की एक टीम ने हसमुख पटेल की ओर जांच का अपना रुख किया। जांच से पता चला कि आरोपी हसमुख पटेल ने कथित तौर पर फर्जी कंपनियों का एक नेटवर्क बनाया, जिसके जरिए 132 करोड़ रुपए के फर्जी चालान किए और बिना किसी सामान और सेवाओं की आपूर्ति किए 23 करोड़ 16 लाख रुपए के फर्जी टैक्स रिफंड का फायदा उठाया। जांच के आधार पर हसमुख पटेल को केंद्रीय जीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 132, 69 के तहत गिरफ्तार किया गया और 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अब तक 36 फर्जी जीएसटी कंपनियां बना चुका है आरोपी आरोपी हसमुख पटेल अब तक 36 फर्जी जीएसटी कंपनियां बना चुका है।

फायर सर्विस शुल्क न भरने वाले बिल्डरों पर लगेगा 18 प्रतिशत दंड!

मुंबईः फायर सर्विस चार्ज न भरने वाले बिल्डरों के खिलाफ मनपा ने कडा रुख अपनाया है। मनपा ने 2015 तक बनी इमारतों के बिल्डरों को सर्विस चार्ज भरने के लिए नोटिस भेजा है। निश्चित समय सीमा के भीतर बिल्डरों ने सर्विस चार्ज नहीं भरा तो मनपा 18 प्रतिशत दंड लगाकर वसूली करेगी। मनपा ने 2014 से 2021 तक बनी इमारतों का फायर शुल्क से वसूलेगी जबकि उसके बाद की इमारतों का फायर शुल्क बिल्डर से इमारत बनने के दौरान ही ले लिया जाएगा। पहले की बनी इमारतों का शुल्क वसूलने के लिए के लिए मनपा अभियान चला रही है।

मुंबई दमकल विभाग के प्रमुख हेमंत परब ने बताया कि हर बिल्डिंग का फायर सर्विस चार्ज उसकी ऊंचाई के आधार पर तय होता है। 3 मार्च 2014 से 6 जून 2121 तक बनी इमारतों से फायर सर्विस चार्ज वसूला जा रहा है। जबकि मार्च 2022 से अब तक बनी इमारतों को बनाने वाले बिल्डरों को नोटिस भेजा जा रहा है। अब तक वर्ष 2015 तक बनी इमारतों के बिल्डरों को फायर सर्विस

चार्ज भरने का नोटिस भेजा जा चुका है। बिल्डर को दी गई नोटिस पर सर्विस चार्ज भरने की अंतिम तारीख दी गई है। बिल्डर समय पर सर्विस चार्ज नहीं भरते हैं तो उनसे 18 प्रतिशत दंड के साथ सर्विस चार्ज वसूला जाएगा। दमकल

विभाग ने एक सर्कुलर जारी किया था जिसके मुताबिक 6 दिसंबर 2008 के बाद बनी इमारतों जिन्हें मनपा सहित एमएमआरडीए, म्हाडा, एसआरए, एमबीपीटी व अन्य संस्थाओं ने एनओसी दिया है। ऐसी इमारतों के मालिकों, बिल्डर अथवा सोसायटी से 3 मार्च 2014 से 6 जून 2121 तक का फायर सर्विस चार्ज वसूला जाएगा। मनपा प्रशासन ने फायर शुल्क वसूली के लिए 2012 में यह प्रस्ताव लाया था। जिसे उस समय नगरसेवकों ने ठुकरा दिया था। उसके बाद दमकल विभाग ने ठाणे व मीरा- भायंदर महानगर पालिका में फायर शुल्क वसूली की जानकारी देते हुए दमकल विभाग की बेहतरी और आपात कालीन परिस्थितियों में बेहतर सेवा के लिए वहां यह फीस ली जाती है। जिसका उल्लेख कर मनपा दमकल विभाग ने आधुनिकीकरण करने के नाम पर फायर शुल्क वसूलने का निर्णय लिया। जिसे

मनपा की सत्तधारी सरकार ने मंजूरी दे दी। वर्ष 2014 में स्थाई समिति ने इस प्रस्ताव को पास कर दिया था। लेकिन अब तक यह फायर सर्विस चार्ज नहीं वसूला गया था। इमारत में रहने वाले नागरिकों का कहना है कि नियम के अनुसार इमारत की ओसी व नो ड्यूज सर्टिफिकेट देते समय ही यह चार्ज वसूला जाना चाहिए था। लेकिन मनपा ने जून 2021 में सर्कुलर जारी कर फायर सर्विस शुल्क वसूलने का निर्णय लिया अब बिल्डर द्वारा शुल्क नहीं भरे जाने पर इमारत में रहने वाले लोगो को सर्विस शुल्क देना पड़ेगा। भाजपा और काग्रेस शुल्क वसूलने का विरोध किया था।

एस आर ए और म्हाडा की इमारतों में शुरू होगे मनपा की स्कूल...!

मुंबई : एस आर ए और म्हाडा प्राधिकरण द्वारा मुंबई में बड़े पैमाने पर विकास किया जा रहा है। एस आर ए परियोजना पूरा होने से रहीवासियों को झोपड़ पट्टी से निकलकर अच्छे घर मिलते है वही मूलभूत सुविधाएं भी सहजता से मिलने लगी है ।मुंबई में हुए एस आर ए और म्हाडा द्वारा विकास कार्यों से मूलभूत सुविधा के लिए रखे आरक्षण का भी फायदा जनता को मिल रहा है ।इसी के चलते मुंबई मनपा को 65 स्कूल मिले है जो कि आरक्षण में बने है। उल्लेखनीय है कि मुंबई में झोपड़ पट्टियों का एस आर ए के तहत 33 / 10 के नियमनुसार विकास किया जा रहा है जबकि पुरानी इमारतों का पुनर्विकास महाड़ा के द्वारा 33/7 के तहत किया जा रहा है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com ,